प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 13 (2019–20)

हिन्दी – अ (कोड–002)

कक्षा– 10

निर्धारित समय– 3 घंटे **अधिकतम अंक – 80**

सामान्य निर्देशः–

1. इस प्रश्न–पत्र में चार खंड हैं– क, ख, ग और घ।
2. सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।
4. एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15–20 शब्दों में लिखिए।
5. दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30–40 शब्दों में लिखिए।
6. तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60–70 शब्दों में लिखिए।

खण्ड–क (अपठित अंश) 10

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िये और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए– 10

मानव को मानव के रूप में सम्मानित करके ही हम जातीयता, प्रांतीयता, क्षुद्र राष्ट्रीयता और अंतर्राष्ट्रीयता के भेद को तोड़ सकते हैं। आज मानव मानव से दूर हटता जा रहा है। वह भूल चुका है कि देश, धर्म और जाति के भिन्न होते हुए भी हम सर्वप्रथम मानव हैं और समान हैं तथा सभी की संभावनाएँ और लक्ष्य एक ही हैं। आज धर्म, देश, सत्ता, धन आदि का भेद होने से एक–दूसरे मानव को मानव ही नहीं मानता है। कभी–कभी स्वधर्मी विधर्मी को, स्वदेशी विदेशी को, अफसर चपरासी को, धनिक निर्धन को तथा विद्वान निरक्षर को इंसान ही नहीं समझता है और वह भूल जाता है कि दूसरे को भी समान रूप से इच्छा, भूख, प्यास सताते हैं तथा उसे भी प्रेम और आदर चाहिए। वह भूल जाता है कि दूसरे में भी स्वाभिमान का पुट है, उसे भी विश्राम की आवश्यकता है और उसे भी अपने बच्चे प्रिय हैं अथवा वह भी अपनी संतान के लिए कुछ करना चाहता है। सत्ताधारी मनुष्य दूसरों को कुचलकर सुख–सुविधाओं पर एकाधिकार कर लेना चाहता है, लेकिन एक आकाश के नीचे रहने वाले इंसान तो सब एक हैं, भले ही कोई कुदाल लेकर श्रमिक का कार्य करता हो, कोई कलम लेकर दफ्तर का, किंतु लक्ष्य एक है– समाज का अभ्युदय। कार्य–भेद होते हुए भी सब इंसानी बिरादरी के एक–से हकदार हैं। सब भाई–भाई ही तो हैं, सब ही अपने–अपने स्थान पर विशेष हैं। मानव का नाता ही श्रेष्ठ नाता है। 'नौकर' कहकर पुकारना मानो मानव का अपमान है। 'सहयोगी', 'सहायक' अथवा 'सस्नेह' उसका नाम कहकर संबोधन करना मधुर है।

1. मानव को मानव के रूप में सम्मानित करना क्यों आवश्यक है? 2

उत्तर : मानव को मानव के रूप में सम्मानित करके ही हम जातीयता, प्रांतीयता, क्षुद्र राष्ट्रीयता और अंतर्राष्ट्रीयता के भेद को तोड़ सकते हैं।

2. मानव क्या भूल चुका है? 2

उत्तर : मानव यह बात बिल्कुल भूल चुका है कि बेशक हम सबके धर्म, देश और जाति भिन्न हैं परंतु फिर भी हम सब सर्वप्रथम मानव हैं।

3. सत्ताधारी मनुष्य क्या चाहता है? 2

उत्तर : सत्ताधारी मनुष्य दूसरों को कुचलकर सुख–सुविधाओं पर अपना एकाधिकार कर लेना चाहता है। वह पूर्णरूप से मात्र अपने स्वार्थ की पूर्ति चाहता है।

4. मानव ही मानव के प्रति बैरभाव क्यों रखता है? 2

उत्तर : जाति, धर्म, देश, सत्ता और धन आदि का भेद होने के कारण मानव ही मानव से बैरभाव रखता है। स्वधर्मी विधर्मी को, स्वदेशी विदेशी को, अफसर चपरासी को, धनिक निर्धन को तथा विद्वान निरक्षर को इंसान ही नहीं मानता।

5. आकाश के नीचे रहने वाले सभी इंसानों का क्या लक्ष्य है? 1

उत्तर : आकाश के नीचे रहने वाले सभी इंसानों का लक्ष्य कार्य करते हुए समाज का अभ्युदय है।

6. उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिए। 1

उत्तर : मानव का नाता ही श्रेष्ठ नाता है।

खण्ड–ख (व्यावहारिक व्याकरण) 16

2. निर्देशानुसार उत्तर लिखिए। $1 \times 4 = 4$

1. 'मैं खाना खाकर सो गया।' (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

उत्तर : मैंने खाना खाया और सो गया।

2. मैंने एक आदमी देखा जो बहुत बीमार था। (सरल वाक्य में बदलिए)

उत्तर : मैंने एक बहुत बीमार आदमी देखा।

3. मोहन ने हरी मिर्च खा ली। मोहन को हिचकियाँ आने लगी। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

उत्तर : जब मोहन ने हरी मिर्च खा ली तब उसे हिचकियाँ आने लगी।

4. वह फल खरीदने के लिए बाजार गया। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

उत्तर : उसे फल खरीदने थे इसलिए वह बाजार गया।

3. निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन कीजिए। $1 \times 4 = 4$

1. हरीश ने पुस्तक पढ़ ली है। (कर्मवाच्य में बदलिए)

उत्तर : हरीश द्वारा पुस्तक पढ़ ली गई है।

2. हम हँसते हैं। (भाववाच्य में बदलिए)

उत्तर : हमसे हँसा जाता है।

3. राम द्वारा लंका जीती गई। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

उत्तर : राम ने लंका जीती।

4. कपड़े धोबी ने धोए हैं। (कर्मवाच्य में बदलिए)

उत्तर : कपड़े धोबी द्वारा धोए गए हैं।

4. निम्नलिखित वाक्यों के रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए। $1 \times 4 = 4$

1. माँ कभी-कभी मंदिर जाती है।

उत्तर : अव्यय, क्रियाविशेषण, कालवाचक, 'जाती हैं' क्रिया का विशेषण।

2. किशोर बड़ी पतंग उड़ा रहा है।

उत्तर : स्त्रीलिंग, संज्ञा, जातिवाचक, एकवचन, कर्मकारक।

3. आश्रय ने कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

उत्तर : संज्ञा, व्यक्तिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ताकारक।

4. आह! उपवन में सुंदर फूल खिले हैं।

उत्तर : विस्मयादिबोधक अव्यय, प्रशंसाबोधक।

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। $1 \times 4 = 4$

1. "करहिं विलाप अनेक प्रकारा।
परहिं भूमितल वारहिं बारा।।"
उपरोक्त पंक्तियों में रस पहचान कर लिखिए।

उत्तर : करुण रस।

2. शृंगार रस की रस मैत्री किससे है?

उत्तर : हास्य।

3. रौद्र रस का स्थायी भाव क्या है?

उत्तर : क्रोध।

4. "रे नृपबालक कालबस, बोलत तोहि सँभार।
धनुहीं सम त्रिपुरारि धनु, विदित सकल संसार।"
उपरोक्त पंक्तियों में रस पहचान कर लिखिए।

उत्तर : रौद्र रस।

5. स्त्री-पुरुष के प्रेम का वर्णन किस रस में होता है?

उत्तर : शृंगार रस।

खण्ड-ग 34

(पाठ्य-पुस्तक एवं पूरक पाठ्य-पुस्तक)

6. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए- 6

फिर अकसर माँ की स्मृति में डूब जाते देखा है। उनकी माँ की चिट्ठियाँ अकसर उनके पास आती थीं। अपने अभिन्न मित्र डॉ. रघुवंश को वह उन चिट्ठियों को दिखाते थे। पिता और भाइयों के लिए बहुत लगाव मन में नहीं था। पिता व्यवसायी थे। एक भाई वहीं पादरी हो गया है। एक भाई काम करता है, उसका परिवार है। बहन सख्त और जिद्दी थी। बहुत देर से उसने शादी की। फादर को एकाध बार उसकी शादी की चिंता व्यक्त करते उन दिनों में देखा था। भारत में बस जाने के बाद दो या तीन बार अपने परिवार से मिलने भारत से बेल्जियम गए थे।

1. गद्यांश में किसका प्रसंग है? उनके स्वभाव की विशेषता लिखिए। 2

उत्तर : इस गद्यांश में फादर कामिल बुल्के का प्रसंग है। वे स्वभाव से बहुत मधुर, उदार और आत्मीय थे। वे अपने भाई-बहनों की अत्यधिक परवाह करते थे।

2. वर्णित व्यक्ति के परिवार के लोगों के बारे में क्या-क्या जानकारियाँ प्राप्त होती हैं? 2

उत्तर : फादर कामिल बुल्के बेल्जियम के निवासी थे। दो भाइयों में से एक वहीं पादरी हो गया था। दूसरा भाई काम करता था। एक बहन भी थी जो बहुत सख्त और जिद्दी थी।

3. लेखक किसकी स्मृति में डूब जाता है? 2

उत्तर : लेखक फादर कामिल बुल्के की स्मृति में डूब जाता है। लेखक उनकी मधुर यादों में खो जाता है।

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए- $2 \times 4 = 8$

1. कैप्टन की मृत्यु का समाचार देते वक्त पानवाला उदास हो जाता है? क्यों?

उत्तर : कैप्टन की मृत्यु का समाचार देते वक्त पानवाला उदास हो जाता है। इसका कारण यह था कि वह भी मन ही मन में कैप्टन का सम्मान करता है। कैप्टन के मरणोपरांत उसने महसूस किया कि पूरे कस्बे में उस जैसा देशप्रेमी और कोई नहीं है।

2. बालगोबिन भगत के संगीत को लेखक ने जादू कहा है। पाठ के आधार पर इसका कारण स्पष्ट करें।

उत्तर : बालगोबिन भगत पूरी तन्मयता से गाते थे। उनके मधुर गीतों का आस–पास के लोगों पर इतना गहरा असर पड़ता था कि वे भी तल्लीन होकर गुनगुनाने लगते थे। खेतों में रोपाई करते हुए तो खेत में काम करने वाले सभी गाँववासी उनकी लय में खो जाते थे। तभी लेखक ने उनके संगीत को जादू की संज्ञा दी है।

3. पिता के किस व्यवहार ने लेखिका में हीन भावना की ग्रंथि पैदा कर दी? लेखिका पर उसका क्या प्रभाव पड़ा? 'एक कहानी यह भी' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

उत्तर : लेखिका के पिता को गोरा रंग बहुत पसंद था। लेखिका का रंग साँवला था, जबकि उसकी बड़ी बहन सुशीला बहुत गोरी थी। लेखिका के पिता उसकी तुलना बड़ी बहन से किया करते थे और हमेशा बड़ी बहन की प्रशंसा किया करते थे। पिता के इस व्यवहार ने लेखिका के मन में हीन भावना की ग्रंथि पैदा कर दी। लेखिका पर इसका गहरा प्रभाव पड़ा तथा वह इस भावना से आज तक उबर नहीं पाई।

4. लेखक के अनुसार नवाब साहब ने सेकंड क्लास का टिकट क्यों खरीदा?

उत्तर : नवाब साहब ने सेकंड क्लास का टिकट इसलिए खरीदा क्योंकि उन्हें विश्वास था कि उस डिब्बे में कोई यात्री नहीं होगा। इसलिए वे अकेले सफर का आनंद लेंगे और बैठकर खीरा खाएँगे।

5. अमीरुद्दीन और बिस्मिल्ला खाँ में क्या संबंध है?

उत्तर : अमीरुद्दीन और बिस्मिल्ला खाँ दोनों एक ही हैं अर्थात् मशहूर शहनाईवादक बिस्मिल्ला खाँ के बचपन का नाम अमीरुद्दीन है।

8. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए– 6

यदि तुम्हारी माँ न माध्यम बनी होती आज
मैं न सकता देख
मैं न पाता जान
तुम्हारी यह दंतुरित मुस्कान
धन्य तुम, माँ भी तुम्हारी धन्य!
चिर प्रवासी मैं इतर, मैं अन्य!
इस अतिथि से प्रिय तुम्हारा क्या रहा संपर्क
उँगलियाँ माँ की कराती रही हैं मधुपर्क
देखते तुम इधर कनखी मार
और होतीं जब कि आँखे चार
तब तुम्हारी दंतुरित मुस्कान
मुझे लगती बड़ी ही छविमान!

1. शिशु की यह मुस्कान देखना कवि के लिए कब संभव न हो पाता? 2

उत्तर : यदि शिशु की माँ माध्यम न बनी होती तो कवि शिशु की यह मुस्कान कभी न देख पाता। माँ ही कवि का शिशु से परिचय करवाती है।

2. शिशु की मुस्कान की क्या विशेषता है? 2

उत्तर : शिशु की मुस्कान की यह विशेषता है कि वह दंतुरित अर्थात् नए–नए दाँतों वाली है। यह बहुत ही मनमोहक है यह किसी मुर्दे में भी जान डाल सकती है।

3. 'मधुपर्क' से आप क्या समझते हैं? 2

उत्तर : दूध, दही, घी, शहद और जल के मिश्रण से बने रसीले खाद्य पदार्थ को 'मधुपर्क' कहते हैं।

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 30–40 शब्दों में लिखिए– $2 \times 4 = 8$

1. बच्चे की मुस्कान और एक बड़े व्यक्ति की मुस्कान में क्या अंतर है? पाठ 'दंतुरित मुस्कान' के आधार पर बताइए।

उत्तर : बच्चे की मुस्कान सरल, निश्छल, भोली और निष्काम है। उसमें कोई स्वार्थ नहीं होता। वह सहज–स्वाभाविक होती है। बड़ों की मुस्कान कुटिल, अर्थपूर्ण, सोची–समझी, सकाम और सस्वार्थ होती है। बड़ों की मुस्कान उनके मन की स्वाभाविक गति न होकर लोक–व्यवहार का अंग होती है।

2. 'छाया मत छूना मन' पंक्ति में 'छाया' से कवि का क्या तात्पर्य है?

उत्तर : यहाँ 'छाया' शब्द अवास्तविकताओं के लिए प्रयुक्त हुआ है। ये छायाएँ अतीत की भी हो सकती है और भविष्य की भी। यह छायाएँ पुरानी मीठी यादों की भी हो सकती हैं और मीठे सपनों की भी।

3. माँ को अपनी बेटी 'अंतिम पूँजी' क्यों लग रही थी?

उत्तर : माँ अपने सुख–दुख को, विशेषकर नारी–जीवन के दुखों को अपनी माँ, बहन या बेटी के साथ बाँट सकती हैं। शादी से पहले माँ और बहनें उसकी पूँजी थीं। वह उनके साथ बातें कर सकती थी, सलाह ले–दे सकती थी परन्तु अब उसके पास बेटी ही एक पूँजी है। कन्यादान के बाद वह भी ससुराल चली जाएगी तो वह बिल्कुल अकेली रह जाएगी।

4. संगतकार के माध्यम से कवि किस प्रकार के व्यक्तियों की ओर संकेत करना चाह रहा है?

उत्तर : संगतकार के माध्यम से कवि भी कार्य अथवा कला में लगे सहायक कर्मचारियों और कलाकारों की ओर संकेत कर रहा है। वे सहायक कलाकार स्वयं को महत्व न देकर मुख्य कलाकार और मुख्य व्यक्ति के महत्व को बढ़ाने में अपनी शक्ति लगा देते हैं।

5. कवि निराला ने बादलों से गरजकर बरसने को क्यों कहा है?

उत्तर : कवि बादलों को क्रांति का सूत्रधार मानता है। वह उससे पौरुष दिखाने की कामना करता है। इसीलिए वह उसे गरजने–बरसने के लिए बुलाता है, न कि फुहार छोड़ने, रिमझिम

बरसने या केवल बरसने के लिए। कवि तापों और दुखों को दूर करने के लिए क्रांतिकारी शक्ति की अपेक्षा करता है।

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60–70 शब्दों में लिखिए– $3 \times 2 = 6$

1. भोलानाथ अपने साथियों को देखकर सिसकना क्यों भूल जाता है?

उत्तर : भोलानाथ को अपने साथियों के साथ खेलने में गहरा आनंद मिलता है। वह साथियों की हुल्लड़बाजी, शरारतें और मस्ती देखकर सब कुछ भूल जाता है। उसी मग्नावस्था में वह सिसकना भी भूल जाता है।

2. अखबारों ने जिंदा नाक लगने की खबर को किस तरह से प्रस्तुत किया?

उत्तर : अखबारों ने जॉर्ज पंचम की नाक की जगह जिंदा नाक लगाने की खबर को बड़ी कुशलता से छिपा लिया। उन्होंने बस इतना ही छापा– 'नाक का मसला हल हो गया है। राजपथ पर इंडिया गेट के पास वाली जॉर्ज पंचम की लाट के नाक लग रही है।'

3. गंतोक–प्रवास के दौरान लेखिका की कौन–सी इच्छा पूर्ण न हो पाई और क्यों?

उत्तर : गंतोक–प्रवास के दौरान लेखिका की कंचनजंघा देखने की इच्छा पूर्ण न हो सकी। कंचनजंघा हिमालय की तीसरी सबसे ऊँची चोटी है। मौसम साफ हो तो यह गंतोक से दिखाई देती है। लेकिन लेखिका के गंतोक–प्रवास के दौरान मौसम अच्छा न होने के बावजूद आसमान बादलों से ढँका था, जिस कारण लेखिका कंचनजंघा न देख सकीं।

खण्ड–घ (लेखन) 20

11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 200 से 250 शब्दों में निबंध लिखिए– 10

(1) हमारी सामाजिक चुनौतियाँ

संकेत बिंदु : ✲ भूमिका ✲ हमारी सामाजिक समस्याएँ ✲ कारण एवं निवारण ✲ उपसंहार

(2) समाज में व्याप्त अंधविश्वास

संकेत बिंदु : ✲ भूमिका ✲ अंधविश्वास की अवधारणा ✲ अंधविश्वास पर भरोसा ✲ उपसंहार

(3) मनोरंजन के हाई–टेक साधन

संकेत बिंदु : ✲ भूमिका ✲ टेलीविजन ✲ रेडियो ✲ इंटरनेट ✲ सिनेमा ✲ उपसंहार

उत्तर :

(1) हमारी सामाजिक चुनौतियाँ

संकेत बिंदु : ✲ भूमिका ✲ हमारी सामाजिक समस्याएँ ✲ कारण एवं निवारण ✲ उपसंहार

भूमिका– किसी भी देश की प्रगति केवल भौगोलिक और आर्थिक स्थिति पर ही निर्भर नहीं होती, अपितु राष्ट्र की प्रगति और गतिशीलता उसके समाज से भी प्रभावित होती है। एक स्वस्थ समाज ही स्वस्थ राष्ट्र का निर्माता होता है।

हमारी सामाजिक समस्याएँ– भारत एक विशाल देश है। इसकी भौगोलिक तथा सामाजिक भिन्नता विश्वप्रसिद्ध है। 'विविधता में एकता' का संदेश देते हुए यह विश्व में सामंजस्य का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत करता है, परंतु हमारे समाज की कुछ समस्याएँ हैं, जो चुनौतियों के रूप में आकर हमारे सामने खड़ी हो जाती हैं और 'विविधता में एकता' की भावना पर तीखा प्रहार करती हैं। हमारी सामाजिक समस्याएँ– धार्मिक कट्टरता, जाति प्रथा, दहेज प्रथा, अंधविश्वास, अशिक्षा, नारी शोषण, बेरोजगारी, जनसंख्या वृद्धि, भ्रष्टाचार, गरीबी, आर्थिक आधार पर विभेदीकरण, बढ़ती आपराधिक प्रवृत्ति इत्यादि हैं। कुछ समस्याएँ हमारी धार्मिक असहिष्णुता से उत्पन्न हुई हैं, तो कुछ सदियों की गुलामी से। धीरे–धीरे ये समस्याएँ हमारे लिए चुनौती बनती जा रही हैं।

कारण एवं निवारण– मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। समाज उसके अस्तित्व का आधार है। वह समाज से अलग नहीं रह सकता। समाज में रहते हुए उसे समाज द्वारा बनाए गए नियमों का पालन भी अनिवार्य रूप से करना पड़ता है। यदि वह ऐसा नहीं करता, तो सामाजिक मूल्यों का ह्रास होता है, परिणामस्वरूप बहुत–सी सामाजिक समस्याएँ पनपने लगती हैं। ये सामाजिक समस्याएँ दीमक की भाँति देश को भीतर से खोखला कर देती हैं और देश में अव्यवस्था का कारण बनती हैं। अतः देश एवं समाज की वास्तविक प्रगति के लिए इन सामाजिक चुनौतियों का शीघ्र ही दमन किया जाना चाहिए। समाज को सुधारने का दायित्व मात्र राजनेताओं तथा प्रशासनिक अधिकारियों का ही नहीं है, बल्कि इसमें सबको मिल–जुलकर अपना योगदान देना होगा। इन सभी समस्याओं को दूर करने के लिए सरकार व समाज को सदैव सक्रिय रहना चाहिए।

उपसंहार– यदि हम अपने देश को विश्वशक्ति के रूप में देखना चाहते हैं, तो हमें सबसे पहले सामाजिक चुनौतियों से निपटना होगा। इन चुनौतियों का समाधान हो गया, तो शेष समस्याओं का समाधान स्वतः ही हो जाएगा। अतः हमें योजनाबद्ध तरीकों से इन पर विजय प्राप्त करनी होगी।

(2) समाज में व्याप्त अंधविश्वास

संकेत बिंदु : ✲ भूमिका ✲ अंधविश्वास की अवधारणा ✲ अंधविश्वास पर भरोसा ✲ उपसंहार

भूमिका– अंधविश्वास कोई तार्किक विचारधारा नहीं है। किसी भी कार्य के प्रति अतार्किक रूप से लोगों की रुढ़िबद्ध बातों पर विश्वास कर अपने मन में भ्रम उत्पन्न कर लेने का नाम ही अंधविश्वास है।

अंधविश्वास की अवधारणा– अंधविश्वास एक ऐसी धारणा है, जिसमें लोग अपने ज्ञान व विवेक का प्रयोग नहीं करते, बल्कि

अवैज्ञानिक बातों पर विश्वास करने लगते हैं। अंधविश्वास के उदाहरण आज हम अपने आस-पास अनेक रूपों में देख सकते हैं। जैसे- बिल्ली के रास्ता काटे जाने पर यह सोचना कि आगे कोई दुर्घटना होने वाली है या फिर छत पर कौवे के बोलने पर मेहमान आने का पूर्वज्ञान लगा लेना आदि अंधविश्वास संबंधी धारणाओं को ही दर्शाते हैं। अंधविश्वास प्राचीनकाल से ही समाज में विद्यमान है। अंधविश्वास पर अनेक धारावाहिक एवं फिल्में भी बनी हैं, जो आज के समाज का अंधविश्वास से ग्रसित होना दर्शाती हैं। यदि अशिक्षित मनुष्य अंधविश्वासों को मानता है, तो यह बात समझ में आती है कि वह वास्तविकता से अनभिज्ञ है, किंतु दुःख की बात यह है कि आज के वैज्ञानिक युग में शिक्षित लोग भी अनेक प्रकार के अंधविश्वासों को मानते हैं।

अंधविश्वास पर भरोसा- भूत-प्रेत, टोना-टोटका, स्वर्ग की प्राप्ति आदि धारणाएँ आज समाज में व्याप्त हैं। अंधविश्वास पर भरोसा करके व्यक्ति रोज अपना राशिफल देखकर ही अपना कार्य प्रारंभ करते हैं। यहाँ तक कि राहु-केतु काल, काल दोष आदि का भय दिखाकर लोगों से पूजा-पाठ करवाने वाले धर्म के ठेकेदारों का व्यापार दिन-दूना रात चौगुना फैलता जा रहा है। इन अंधविश्वासमयी समस्याओं को प्रचलित फिल्म 'पी के' में भी दर्शाया गया है, जहाँ एक मनके को लेकर धर्म के ठेकेदार लोगों को भ्रमित करके अपना वर्चस्व बनाए रखते हैं। यहाँ तक कि यह अंधविश्वास छात्रों में भी देखा जा सकता है, जहाँ एक पत्थर पर तिलक लगाकर छात्रों को अंधविश्वास में डालकर पैसा एकत्रित किया जाता है।

उपसंहार- यद्यपि आज भी भारत में अनेक प्रकार के अंधविश्वास व्याप्त हैं। इसके अनेक कारण हैं। एक तो यहाँ शिक्षा का प्रसार उतना नहीं हो पाया है, जितना होना चाहिए था तथा कुछ ऐसे अंधविश्वास भी हैं, जो परंपरा का रूप ले चुके हैं, इसलिए समाज के डर से लोग इसका विरोध नहीं करना चाहते हैं। आज प्रत्येक समझदार एवं जिम्मेदार नागरिक का यह कर्तव्य है कि वह अंधविश्वासों की सच्चाई से लोगों को अवगत कराए तथा अंधविश्वास को दूर करके ही एक स्वस्थ एवं प्रगतिशील समाज की रचना करे।

(3) मनोरंजन के हाई-टेक साधन

संकेत बिंदु : ✲ भूमिका ✲ टेलीविजन ✲ रेडियो ✲ इंटरनेट ✲ सिनेमा ✲ उपसंहार

भूमिका- एक समय था जब मनोरंजन के लिए लोग शिकार खेला करते थे। सभ्यता के विकास के बाद अन्य खेल लोगों के मनोरंजन के साधन बने। आज भी खेल लोगों के मनोरंजन का प्रमुख साधन हैं, किंतु आजकल खेलों को प्रत्यक्ष रूप से देखने के अतिरिक्त इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से इसे देखने वालों की संख्या बढ़ी है। इस समय टेलीविजन, रेडियो तथा इंटरनेट एवं कंप्यूटर मनोरंजन के प्रमुख एवं हाई-टेक साधन हैं।

टेलीविजन- टेलीविजन आजकल लोगों के मनोरंजन का एक प्रमुख साधन बन चुका है। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि टेलीविजन पर प्रत्येक आयु वर्ग के लोगों के लिए कार्यक्रम उपलब्ध हैं। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक को ध्यान में रखकर बनाए गए कार्यक्रमों का टेलीविजन पर प्रसारण किया जाता है।

रेडियो- आधुनिक काल में रेडियो मनोरंजन का एक प्रमुख साधन बनकर उभरा है। रेडियो पर गीत-संगीत के अतिरिक्त सजीव क्रिकेट कमेंटरी श्रोताओं को आनंदित करने का कार्य करती है तथा जब से एफ.एम. चैनलों का पदार्पण भारत में हुआ है, रेडियो की उपयोगिता और बढ़ गई है। आजकल हम लोगों को मोबाइल फोन के माध्यम से विभिन्न एफ.एम. स्टेशनों को सुनते देखते हैं। ये श्रोताओं का भरपूर मनोरंजन करने के साथ विभिन्न उपयोगी जानकारी प्रदान करते हैं।

इंटरनेट- आज विश्व के कुल 6.8 अरब से अधिक लोगों में से लगभग 2 अरब लोग इंटरनेट से जुड़े हुए हैं। इंटरनेट ने सरकार, व्यापार और शिक्षा को नए अवसर प्रदान किए हैं। सरकारें अपने प्रशासनिक कार्यों के संचालन, विभिन्न कर प्रणाली, प्रबंधन और सूचनाओं के प्रसारण जैसे अनेकानेक कार्यों के लिए इंटरनेट का उपयोग करती हैं। कुछ वर्ष पहले तक इंटरनेट व्यापार और वाणिज्य में प्रभावी नहीं था, लेकिन आज सभी तरह के विपणन (क्रय-विक्रय) और व्यापारिक लेन-देन इसके माध्यम से संभव हैं। इंटरनेट पर आज पत्र-पत्रिकाएँ प्रकाशित हो रही हैं, रेडियो और टेलीविजन के लगभग सभी चैनल उपलब्ध हैं।

सिनेमा- बात मनोरंजन के आधुनिक साधनों की हो या पूर्व साधनों की, यह सिनेमा के बिना अधूरी है। सिनेमा पहले भी लोगों के मनोरंजन का एक शक्तिशाली माध्यम था और आज भी है। आज पारिवारिक एवं हास्य से भरपूर फिल्में दर्शकों का मनोरंजन कर रही हैं। एक व्यक्ति तनावपूर्ण वातावरण से निकलने एवं मनोरंजन के लिए सिनेमा का रुख करता है। हालाँकि वर्तमान समय में बहुत-सी फिल्में हिंसा एवं अश्लीलता का भद्दा प्रदर्शन भी करती हैं, किंतु इन जैसी कमियों को छोड़ दें, तो सिनेमा दर्शकों का मनोरंजन ही करते हैं।

उपसंहार- इस प्रकार संचार क्रांति की इस दौड़ में मनोरंजन के हाई-टेक साधनों ने मनुष्य को आधुनिक बना दिया है। अतः इन समस्त उपकरणों का सदा सकारात्मक उपयोग करने की आवश्यकता है।

12. चुनाव के कारण आपके घर की दीवारें नारे लिखने और पोस्टर चिपकाने से गंदी हो गई हैं। इस समस्या की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए दैनिक जागरण के संपादक को एक पत्र लगभग 80-100 शब्दों में लिखिए। 5

उत्तर :

सेवा में,
संपादक
दैनिक जागरण

नई दिल्ली।

विषय : चुनाव के कारण घर की दीवारों पर पोस्टर चिपकाने की समस्या हेतु।

महोदय,

मैं आपके लोकप्रिय दैनिक समाचार-पत्र के माध्यम से राजनैतिक संस्थाओं का ध्यान चुनाव के दौरान पोस्टर चिपकाने से दीवारों के गंदी होने की समस्या की ओर ध्यान आकर्षित करना चाहती हूँ। आशा है आप जनहित में मेरा पत्र प्रकाशित कर कृतार्थ करेंगे।

अभी पिछले माह नगर निगम के चुनाव संपन्न हुए। इन चुनावों के दौरान प्रत्याशियों ने नगर की दीवारों पर नारे लिखकर और पोस्टर चिपका कर काफी गंदा कर दिया। दीवारों पर लिखना व पोस्टर लगाने की मनाही है पर पुलिस की अकर्मण्यता के कारण इस बात का उल्लंघन हुआ है। सभी राजनैतिक दलों को इस पर विचार करना चाहिए। शहर की सुंदरता की रक्षा की जानी चाहिए।

भवदीया

नेहा शर्मा

सचिव, स्वच्छता अभियान समिति

नई दिल्ली

दिनांक- 4 अक्टूबर, 2018

अथवा

आपके विद्यालय में पीने का पानी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं होता। इसकी शिकायत व सुधार के लिए प्रार्थना करते हुए प्रधानाचार्या को एक पत्र लगभग 80-100 शब्दों में लिखिए।

उत्तर :

श्रीमती प्रधानाचार्या जी,

सरदार पटेल विद्यालय,

नई दिल्ली।

विषय- अपर्याप्त पेयजल की सूचना हेतु।

आदरणीय महोदया,

सविनय निवेदन यह है कि मैं आपके विद्यालय का कक्षा दसवीं का छात्र आपको विद्यालय में अपर्याप्त पेयजल की समस्या से अवगत कराना चाहता हूँ।

हमारे विद्यालय में पीने के पानी का उचित प्रबंध न होने के कारण सभी छात्रों को बहुत परेशानी होती है। घर से लाया हुआ एक बोतल पानी तो प्रथम कालांश में ही खत्म हो जाता है, उसके बाद तो पानी के लिए पूरा दिन तरसते रहते हैं। आप तो जानती ही हैं कि पानी पीना स्वास्थ्य के लिए कितना आवश्यक है और हम छात्रों का लगभग आधा दिन विद्यालय में बिना पानी के ही गुजरता है, जोकि बहुत बुरी बात है।

मेरा आपसे नम्र निवेदन है कि जल्द ही पेयजल की कमी की समस्या को सुलझाने के लिए उचित कदम उठायें।

मुझे आशा है आप मेरी प्रार्थना पर अवश्य ध्यान देंगी।

धन्यवाद!

आपका आज्ञाकारी छात्र

रमेश

दिनांक- 21 नवंबर, 2019

13. आपने मोबाइल का नया शोरूम खोला है- अलीबाबा मोबाइल्स के नाम से। बिक्री बढ़ाने हेतु तथा ग्राहकों को सूचना देते हुए एक विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में तैयार कीजिए। 5

उत्तर :

आकर्षक ऑफर *20% छूट*

अलीबाबा मोबाइल्स

4/6 रोहणी, दिल्ली

- *मोबाइल के साथ पाएँ सोनी के हैडफोन बिल्कुल मुफ्त।*
- *8 जीबी की पैनड्राइव बिल्कुल मुफ्त।*
- *ऑफर केवल पहले 100 ग्राहकों के लिए*
- *सभी रंगों तथा कंपनियों के फोन उपलब्ध*

सम्पर्क करें- 8835198544

अथवा

नवीन नामक पंखे बाजार में आए हैं। वे नए डिजाइन वाले, सुंदर, सस्ते, गारंटीशुदा और हवादार हैं। एक विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में गोठवाल इलेक्ट्रॉनिक्स, शॉप नं. 40, सीकर रोड, जयपुर के लिए तैयार कीजिए।

उत्तर :

नवीन पंखे

नवीन पंखे खरीदिये!!

और जीवन का सुहाना अनुभव लीजिए!!

- *5 साल की गारंटी के साथ*
- *खूबसूरत रंगों और डिजाइनों वाले*
- *हल्के और सस्ते*
- *घर-भर को हवादार बनाने वाले*

गोठवाल इलैक्ट्रानिक्स

शॉप नं. 40, सीकर रोड, जयपुर

सम्पर्क करें- 8835198544

Download unsolved Version of this solved paper from www.cbse.online

WWW.CBSE.ONLINE